>

Title: Alleged discrimination against the students belonging to SCs/STs in examination conducted by the Government and Non-Government Medical Institutions.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदय, मैं अति अविलंबनीय लोक महत्व के प्रश्न पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से गुजारिश करना चाहूंगा कि आज पूरे देश में और खासकर उत्तर प्रदेश में सरकारी और गैर-सरकारी मैडिकल कॉलेज हैं, जहां पर मैडिकल की शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र, खासकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के जो छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, वे वहां से चार साल के बाद पढ़ाई पूरी करके निकलते हैं। इलाहाबाद मैडिकल कॉलेज में छात्र का एडमीशन कम्प्टीशन के आधार पर होता है। वहां आज इतनी स्थिति खराब है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के जो भी छात्र हैं, उन्हें चार वर्ष की पढ़ाई पूरी करके वहां से निकलना है, लेकिन उन्हें प्रैक्टिकल में एवं अन्य परीक्षाओं में फेल कर दिया जाता है, कम नम्बर दिये जाते हैं।

महोदय, आज स्थिति यह है कि जिस विद्यार्थी को चार वर्ष में पढ़ाई पूरी करके जाना चाहिए, वह आठ वर्ष पढ़ाई करता है। यह एक तरीके से इन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अभी अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष इस सदन के माननीय सदस्य श्री पी.एल.पुनिया साहब जी एक मैडिकल कॉलेज में गये। उन्हें वहां जाने नहीं दिया जा रहा था और वे गये तो वहां का स्टॉफ ताला बंद करके भाग गया। इसे संज्ञान में लिया जाना चाहिए।

सभापति महोदय : आप अपनी डिमांड रखिये।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं मांग करता हूं कि चाहे यह विषय मैडिकल एजुकेशन में आता हो, चाहे इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय देखता हो या इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देखता हो, इसे गंभीरता से लें चूंकि यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों के भविष्य का सवाल है। इसे केंद्र सरकार संज्ञान में ले और इसे गंभीरता से लेते हुए छात्रों के भविष्य के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है, उसे बंद कराया जाये। मेरिट के अनुसार जो भी पास होते हैं, वे लिखित परीक्षा पास कर लेते हैं, लेकिन प्रैक्टिकल में कम नम्बर देकर उन्हें फेल कर दिया जाता है।

सभापति महोदय : आप अपनी बात संक्षिप्त कीजिये।

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, इस तरह से वे छात्र आठ-दस साल में वहां से पढ़ाई पूरी करके निकलते हैं, वे छात्र आगे चलकर क्या करेंगे। मैं आपके माध्यम से यह चाहूंगा कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं चाहूंगा कि आप इस विषय में कुछ आश्वासन दे दें।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है। हम लोग इसे सम्बन्धित मंत्री तक पहुंचा देंगे।

श्री शैलेन्द्र कुमार : जी।

सभापति महोदय :

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी अपने आप को श्री शैलेन्द्र कुमार जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।